Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
July to September 2025, E-Journal, Vol. I, Issue LI (51), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

भारत में डिजिटल इंडिया की अवधारणा एवं इसके प्रभाव

डॉ. पुष्पा नागर* श्रीमती रंजना शक्तावत**

*** वरिष्ठ व्याख्याता, एम. ओ. एम. महात्मा ज्योतिराव फूले शा. पॉलीटेक्नीक महाविद्यालय, खंडवा (म.प्र.) भारत**
**** वरिष्ठ व्याख्याता, महात्मा ज्योतिराव फूले शा. पॉलीटेक्नीक महाविद्यालय, खंडवा (म.प्र.) भारत**

प्रस्तावना – भारत एक ऐसा देश है जो 'विकसित भारत विजन' के माध्यम से अर्थव्यवस्था में विकसित देश के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। एक वैश्विक नेता की कल्पना को साकार करने के लिए नवाचार एवं आधुनिक तकनीके कारगार सिद्ध हो सकती है। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (ICRIER) द्वारा जारी डिजिटल अर्थव्यवस्था की स्थिति की रिपोर्ट, 2024 के अनुसार भारत तीसरे स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज कर चुका है। देश की यह मंशा है कि वह तकनीकी प्रगति में विश्व मंच पर सबसे आगे रहे है। इस हेतु समावेशी विकास, नवाचार, सामाजिक कल्याण कार्यक्रम, कौशल विकास और शिक्षा को बढ़ावा देकर ही नागरिकों को सशक्त बनाने का प्रयास किया जा सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था को महाशक्ति में परिवर्तित करने के लिए सरकार ने 2015 में एक ऐसी पहल की है जिसके द्वारा भारत को ज्ञान अर्थव्यवस्था एवं सशक्त समाज बनाया जा सके और इस पहल का नाम डिजिटल इंडिया रखा गया। इसका उद्देश्य देश के नागरिकों का जीवन बेहतर बनाने के लिए इलेक्ट्रानिक माध्यमों से अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देकर सरकारी सेवाओं को डिजिटल रूप प्रदान किया जा रहा है।

जब देश में 2015 में नोटबंदी की गयी तो उस समय इलेक्ट्रानिक माध्यमों से भुगतान प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया गया था जो डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का ही एक रूप माना जा सकता है, जिसमें जनता द्वारा किये गये अधिकांश भुगतान केशलेस होने लगे। इसी के चलते 2019 के कोरोना काल के समय भी जब लोगो को बाहर आने-जाने पर रोक लगी थी तब भी इलेक्ट्रानिक माध्यमों से ही जनता द्वारा अधिकांश भुगतान एवं कार्य किये गये।

शब्द कुंजी – डिजिटल इंडिया, इलेक्ट्रानिक सेवाऐं, अर्थव्यवस्था, समावेशी विकास, सशक्तिकरण।

उद्देश्य – डिजिटल इंडिया की स्थापना समावेशी विकास को ध्यान में रखते हुये इलेक्ट्रानिक सेवाओं, उत्पादों, विनिर्माण और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए नौ स्तभों को शामिल किया गया है। इस पहल को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का नाम प्रदान किया गया है जो विभिन्न चरणों के अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनता तक सरकारी सेवाऐं इलेक्ट्रानिक रूप से मिलती रहे। यह कार्यक्रम सरकार के सभी क्षेत्रों पर प्रकाश डालती है इस कार्यक्रम के प्रति जागरूक करने के लिए सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभिन्न विभागों को शामिल किया गया है। इसके अंतर्गत निम्न उद्देश्यों को शामिल किया गया है-

1. **नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा-** इसका उद्देश्य IT के द्वारा नई पीढ़ी को रोजगार के लिए नवाचार एवं उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना है।
2. **पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा-** इसका उद्देश्य सरकारी संस्थाओं में कार्यो में पारदर्शिता व जवाबदेही बनाये रखना है।
3. **बुनियादी ढ़ाँचे को बढ़ावा-** इसका उद्देश्य देश के आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के लिए बुनियादी ढ़ॉचे को अधिक विकसित करना है।
4. **ई-गर्वनेस-** इसका उद्देश्य सरकारी कामकाज को इलेक्ट्रानिक सेवाओं के माध्यम से अधिक आसान बनाना है।
5. **ई-पंचायत-** इसका उद्देश्य ग्राम पंचायत से संबंधित कार्यो का संचालन डिजिटल माध्यम से किया जाना है। यह ई- गर्वनेस के तहत ग्रामीण क्षेत्र से संबंधित है।
6. **ई-ग्रंथालय-** इसका उद्देश्य लाइब्रेरी के कार्यों का संचालन एवं आनॅलाइन सदस्यता डिजिटल माध्यम से किया जाना है।

डिजिटल इंडिया की पहल

1. **ई-पाठशाला-** इसमें सभी शैक्षिक ई-संसाधनों जैसे- पाठयक्रम, ऑडियों, वीडियों, पत्र-पत्रिकाओं विभिन्न मुद्रित एवं गैर-मुद्रित सामग्रियों को NCRT द्वारा विकसित वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रदर्शित एवं प्रसारित किया जा रहा है।
2. **ई-अस्पताल-** यह एक ऐसी पहल है जिसमें अस्पताल, डॉक्टर, और मरीज को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक साथ जोड़ना है। जिसमें लगभग 420 अस्पताल इस अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली के अंतर्गत स्थापित किये जा चुके है।
3. **डिजिलाकर्स-** इसमें आम जनता का सशक्तिकरण को प्रोत्साहित किया गया है जिसके अंतर्गत दस्तावेजों को डिजिटल रूप में प्रमाणित कर रखा जा सकता है।
4. **भीम ऐप-** आम जनता इसका उपयोग कर भुगतान का आसान बनाता है जिसमें जनता UPI का प्रयोग करके कहीं भी किसी भी समय भुगतान कर सकता है।

परिकल्पना:

1. डिजिटलीकरण, विकास का महत्वपूर्ण साधन है।
2. डिजिटलीकरण से देश की आय में वृद्धि हो रही है।

डिजिटल इंडिया का महत्व – भारत को वैश्विक नेता बनने के लिए शहरी क्षेत्रों के विकास के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में सबसे बड़ी चुनौती

ग्रामीण क्षेत्रों को हाई-स्पीड नेटवर्क से जोड़ना है। डिजिटल इंडिया एक ऐसी परिवर्तनकारी पहल है, जो देश को डिजिटल रूप में एक सशक्त राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

1. **स्वास्थ्य सेवाओं में सहायक-** इससे विभिन्न चिकित्सालयों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। इसमें मरीज, डॉक्टर और चिकित्सालयों को एक प्लेटफॉर्म प्रदान किया गया है। जैसे-ABHA इसमें विभिन्न मोबाइल एप्स से व्यक्ति अपने प्राइमरी चेकअप भी कर सकता है।

2. **शिक्षा में सहायक-** इससे देश के विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों की शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान किये गये है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सके। कारोनाकाल के समय ऑनलाइन क्लासेस ने विद्यार्थी एवं शिक्षक के मध्य दूरियों को कम कर दिया है।

3. **बैंकिंग में सहायक-** इससे विभिन्न बैंकों ने कागजी कार्यवाही को कम कर दिया है, जिससे ग्राहकों को विभिन्न मोबाइल एप्स से बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा रही है। इसमें ग्राहक बैंक से संबंधित समस्त जानकारियां प्राप्त कर रहा है।

4. **कृषि में सहायक-** हमारे देश की 70% जनसंख्या कृषि पर आधारित है जिससे अधिकांश लोग का जीविकापार्जन का साधन कृषि है। इससे कृषि संबंधित जानकारियों को डिजिटलीकरण से कृषि कार्य आसान हो गया है।

5. **नवाचार में सहायक-** इससे स्टार्टअप को प्रोत्साहन दिया जा रहा है इसमें नागरिकों के विचारों को एक प्लेटफॉर्म प्रदान किया गया है। जिससे वे स्वयं का रोजगार कर सके और देश के बेरोजगारी को कम कर सके।

6. **रोजगार में सहायक-** इससे आम नागरिकों का सशक्तिकरण किया जा रहा है। इससे IT को बढ़ावा मिलने से रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि हो रही है। इसका उपयोग कर नागरिक देश के किसी भी कोने की रोजगार संबंधित जानकारियों को प्राप्त कर सकता है एवं देश-विदेश में रोजगार के अवसर मिल रहे है। इसके अंतर्गत वर्क फ्राम होम को बढ़ावा भी मिल रहा है जिससे भारत का व्यक्ति भारत में रहकर ही विदेशों में नौकरी कर रहा है।

7. **व्यवसाय में सहायक-** इससे व्यापारी वर्ग व्यापार को विकसित कर बढ़ाने का प्रयास कर रहे है। इसमें व्यापारी अपने व्यापार को राष्ट्रीय स्तर से अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक विस्तृत करने का प्रयास कर रहा है। व्यापारी द्वारा विभिन्न वेबसाइट बनाकर उस पर वस्तुओं एवं सेवाओं का प्रचार-प्रसार कर क्रय-विक्रय कर रहा है।

8. **सरकारी सेवाओं में सहायक-** इससे सरकारी कामकाज आसानी से किया जा रहा है। इससे कागजी कार्यवाही को कम किया गया है। इसमें विभिन्न मोबाइल एप्स जैसे-UMANG, SARTHAK, E-OFFICE, KARMYOGI & MY GOVT. से सरकारी सेवकों का रिकार्ड डिजिटल रूप में रखा जा रहा है।

9. **साइबर अपराध के नियंत्रण में सहायक-** इससे डिजिटल अपराध को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है।

10. **ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में सहायक-** इससे शहरी क्षेत्रों के विकास के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का भी डिजिटलीकरण से ग्रामीण भी डिजिटल सेवाओं का लाभ ले रहे है।

11. **जीवन स्तर सुधार में सहायक-** इससे नागरिक विभिन्न डिजिटल सुविधाओं का प्रयोग उनका जीवन स्तर में भी सुधार हो रहा है।

12. **ऑनलाइन सेवाओं में सहायक-** इससे आम नागरिक ऑनलाइन सेवाओं से बस टिकिट, रेल्वे टिकिट, एयर टिकिट, होटल एवं अन्य सुविधाओं का लाभ ले रहा है।

पुष्टि:

1. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने देश के विकास में सभी क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भूमिका प्रदान की है। शहरों से लेकर गाँवों तक, कृषि से लेकर व्यवसाय तक, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं तक, बैंकिंग से लेकर साइबर सुरक्षा तक तथा नवाचार से लेकर सरकारी सेवाओं तक सभी ने विकास में योगदान प्रदान किया है।
2. देश में डिजिटलीकरण से समावेशी विकास में नवाचार, कौशल विकास को बढ़ावा देने से व्यवसाय, कृषि एवं विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई है जिससे देश की आय में भी वृद्धि होना निश्चित है।

उपसंहार - भारत ने वर्ष 2025 तक डिजिटल इंडिया कार्यक्रम से कई क्रांतिकारी परिवर्तन किये है। देश के विकास में जो परिवर्तन आये है, उसमें डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने विकसित भारत की आधारशिला रखी है, लेकिन ग्रामीण डिजिटलीकरण, साइबर सुरक्षा, जैसी चुनौतियाँ का सामना भी किया है। फिर भी देखा जाये तो इसने आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूत किया है। और देश को आधुनिक ज्ञान एवं सशक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में यह एक ऐसा कदम है जो देश के विकास और आम नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने में सफल रहा है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. अजय कुमार : डिजिटल इंडिया
2. अनुराग चंद्रा : डिजिटल इंडिया 2047
3. हार्ड कवर : डिजिटल इंडिया गर्वनेंस ट्रांसफॉरमेशन
4. पेपर बेक : इंडिया डिजिटल ईकोनॉमी, ग्रोथ चेलेंज एवं फ्युचर प्रोस्पेक्टस
5. www.digitalindia.gov.in

****